পাঠ
পাঠ **18**

## অবসর জীবন

সমীর : শশীবাবু কেমন আছেন? ভাল আছেন তো?

শশীবাবু : আমাদের আবার ভাল! দিন গুনছি কবে চোখ বুজবো।

সমীর : ও কথা বলছেন কেন?

শশীবাবু : এখন আর কিছুম্প ভাল লাগে না। হাতে কোনো কাজ নেম্প। বিশ্রাম আর শুধু বিশ্রাম। তাও আর ভাল লাগছে না।

সমীর : এর জন্যে ভাববেন না। আপনি তো অফিস থেকে অবসর নিয়েছেন। এখন কিছু একা নিয়ে থাকুন। তাহলে দেখবেন, আপনার সব কিছুম্প ভাল লাগবে।

শশীবাবু : হ্যাঁ। অবসরের আগে অনেক কথা মাথায় আসতো। ভাবতাম অবসরের

## सेवा निवृत्ति का जीवन

समीर : शशिबाबू, कैसे हैं? ठीक तो हैं?

शशिबाबू : हमलोग और ठीक! बस दिन गिन रहा हूँ, पता नहीं कब आँख बंद हो जाएँ।

समीर : ऐसी बात क्यों कह रहे हैं?

शशिबाबू : अब और कुछ भी अच्छा नहीं लगता। हाथ में कोई काम नहीं। आराम और केवल आराम! वह भी अब अच्छा नहीं लगता।

समीर : इसके लिए चिन्ता न करें। आपने तो ऑफिस से अवकाश ले लिया है। कुछ न कुछ करते रहिए। तब आप देखेंगे कि आपको सब कुछ अच्छा लग रहा है।

शशिबाबू : हाँ। सेवा निवृत्ति के पूर्व अनेक बातें मस्तिष्क में आती थीं।

পর এম্প করবো, সেম্প করবো। কিন্তু এখন সবম্প ফাঁকা ফাঁকা লাগছে।

সমীর :আমারও অবসরের সময় হয়ে এল। ভাবছি বাগানের কাজে বেশী সময় দেবো। এখন নানান কাজের ঝামেলায় বাগান দেখতে পারি না। বাগানেব সব কাজ মালীম্প দেখাশোনা করে।

শশীবাবু : আপনার তো এম্প সুবিধা আছে। আগে থেকেম্প আপনার বাগানের শখও আছে আর মালীর সাহায্যাও পান। অবসরের পর আপনি আরামে বাগান নিয়েম্প থাকতে পারবেন। এখন আমি বুঝতে পারছি যে, প্রত্যেক মানুষেরম্প কিছু না কিছু শখ থাকা ভাল। তাহলে সময় কাাতে অসুবিধা হয় না। কিন্তু আমার তো কোনো শখম্প নেম্প। তাম্প আমি কি যে করি।

সমীর :আপনি এক কাজ করুন। আপনার বাড়িা তো বেশ বড়

सोचता था सेवा निवृत्ति के बाद यह करूँगा, वह करूँगा। किन्तु अब सब कुछ फीका-फीका लग रहा है।

समीर : मेरा भी सेवा निवृत्ति का समय निकट आ रहा है। सोचता हूँ बागवानी में अधिक समय लगाऊँगा। अभी नाना प्रकार के कामों के झमेले में बगीचा नहीं देख पा रहा हूँ। अभी सब काम माली ही कर रहा है।

शशिबाबू : आपको यह सुविधा पहले से ही उपलब्ध है। क्योंकि आपको बागवानी का शौक है और माली की सहायता भी। सेवा निवृत्ति के बाद आप आराम से बागवानी कर सकते हैं। अब मेरी समझ में आ गया है कि प्रत्येक मनुष्य का कुछ न कुछ शौक होना चाहिए। इस से समय काटने में कठिनाई नहीं होती। किन्तु मेरा तो कोई शौक ही नहीं है। तो मैं क्या करूँ?

समीर : आप एक काम कीजिए। आपका घर भी बहुत बड़ा है न? आप छोटे बच्चों के लिए एक स्कूल खोल लीजिए। बंगला माध्यम के बच्चों के लिए यहाँ कोई अच्छा नर्सरी स्कूल नहीं है। इसलिए यदि आप ऐसा स्कूल खोल लें तो वह अच्छा

তাম্পনা! আপনি ছৌ বাচ্চাদের জন্যে একা স্কুল খুলুন। বাংলা মাধ্যমের ছৌদের জন্যে এখানে ভাল নার্সারী স্কুল নেম্প। সুতরাং আপনি যদি একা এম্প রকম স্কুল খোলেন তবে ভালোম্প চলবে।

শশীবাবু : কিন্তু বাবা-মায়েরা কি বাচ্চাদের বাংলা মাধ্যম স্কুলে ভর্তি করবে?

সমীর :নিশ্চয়ম্প ভর্তি করবে। এখানে ভাল বাংলা নার্সারী স্কুল নেম্প। তাম্প সবাম্প তাদের বাচ্চাদের ম্পংরেজি মাধ্যম স্কুলে ভর্তি করছেন। যদি আপনি একা বাংলা মাধ্যমের স্কুল খোলেন তাহলে বহু মা-বাবারাম্প তাদের বাচ্চাদের স্কুলে ভর্তি করবেন।

শশীবাবু : আচ্ছা, নার্সারী স্কুল খোলার জন্যে কি সরকারী অনুমতি দরকার?

সমীর :না, নার্সারী স্কুল খোলার জন্যে সরকারী অনুমতির দরকার নেম্প। প্রাথমিক বা মাধ্যমিক স্কুল খোলার জন্যেম্প সরকারী অনুমতির চলেগা।

শশিबाबू : किन्तु क्या माँ-बाप बच्चों को बंगला माध्यम के स्कूलों में भर्ती कराएँगे?

समीर : निश्चय ही भर्ती कराएँगे। यहाँ अच्छा बंगला नर्सरी स्कूल नहीं है। इसीलिए सब लोग अपने बच्चों को अंग्रेज़ी माध्यम स्कूलों में भर्ती कराते हैं। यदि आप एक बंगला माध्यम का स्कूल खोलेंगे तो बहुत सारे माँ बाप अपने बच्चों को वहाँ भर्ती करवाएँगे।

शशिबाबू : अच्छा क्या नर्सरी स्कूल खोलने के लिए सरकारी अनुमति आवश्यक है?

समीर : नहीं, नर्सरी विद्यालय खोलने के लिए सरकारी अनुमति की आवश्यकता नहीं है। प्राथमिक या माध्यमिक विद्यालय खोलने के लिए तो ज़रूर सरकारी अनुमति की आवश्यकता होती है। नर्सरी स्कूल के लिए आप पहले अच्छे शिक्षक शिक्षिकाओं की खोज करें। उसके बाद अन्य व्यवस्थाएँ हम सभी मिलकर कर लेंगे। चिन्ता मत कीजिए। छात्र-छात्राओं का कोई अभाव नहीं

দরকার। একটি নার্সারী স্কুলের জন্যে আপনি প্রথমে ভাল শিক্ষক শিক্ষিকার খোঁজ করুন। তারপর অন্যান্য ব্যবস্থা আমরা সবাম্প করবো। চিন্তা করবেন না। ছাত্র-ছাত্রীর কোনো অভাব হবে না।

শশীবাবু : বেশ। তাহলে আপনারা সবাম্প সাহায্য করুন। ঐটা একটা ভাল কাজও বটে। আমার সময়ও ভাল কেটে যাবে।

होगा।

शशिबाबू : ठीक है। तो फिर आप सब मेरी सहायता कीजिए। यह एक अच्छा काम भी है। मेरा समय भी ठीक तरह से कट जाएगा।

## शब्दार्थ

| शब्द | अर्थ |
|---|---|
| চোখ | आँख |
| বুজবো | मूंदना, बंद होना |
| বিশ্রাম | विश्राम |
| অবসর | अवकाश, निवृत्ति |
| থাকুন | रहिए |
| আগে | पूर्व, पहले |
| মাথায় | माथे में |
| ফাঁকা ফাঁকা | फीका-फीका |
| ভাবতাম | सोचता था |
| ঝামেলায় | झमेले में |

| | |
|---|---|
| মালী | माली |
| শখ | शौक |
| বাচ্চাদের | बच्चों को |
| মাধ্যম | माध्यम |
| ভর্তি | भर्ती |
| নিশ্চয় | निश्चय |
| অনুমতি | अनुमति |
| অভাব | अभाव |
| সাহায্য | सहायता |

## अभ्यास

**I.** **नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थानपर कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर दो-दो नये वाक्य बनाइए।**

1. আপনি চিঠি পড়বেন।  (লিখবেন, দেখবেন)
2. আমার খাওয়া হয়েছে।  (লেখা, পড়া)
3. সে কাজটা করে নি।  (দেখে, শেখে)
4. তুমি রবিবারে এসো।  (যেয়ো, পোড়ো)
5. আপনি কোথায় যাবেন ?  (খাবেন, শোবেন)

**II.** **उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।**

1. এলাহাবাদে ট্রেনে যাওয়া ______________ ।
2. কলকাতায় সব জিনিস পাওয়া ______________ ।
3. একাজ খুব সহজে ______________ যায়।

4. আপনি আগামী রবিবার ______________ ।

5. ঠিক সময়ে ঘুম থেকে ______________ ভাল।

6. রোজ সকালে পার্ক বা খোলা স্থানে ______________ ভাল।

7. রোজ ঝাল মসলাদার খাবার ______________ উচিৎ নয়।

8. ব্যস্ত রাস্তায় ______________ ভাল নয়।

9. বাগানে অনেক সুন্দর ফুল ______________ আছে।

10. পরীক্ষার খাতায় দ্রুত ______________ দরকার।

**III.** **उपयुक्त स्थान पर হয় (हॅय) या যায় (जाय) शब्द का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।**

1. ব্যাঙ্গালোর কি বাসে করে যাওয়া ______________ ?
2. এস্প অনুষ্ঠানা সাধারণত সন্ধ্যেবেলা করা ______________ ।
3. এস্প রাস্তা ব্যবহার করা ______________ না।
4. পুজোর সময় গান গাওয়া ______________ ।
5. এখান থেকে সহজেস্প মাদ্রাজ যাওয়া ______________ ।

**IV.** **कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।**

( দেখবেন, যাব, পড়বে, যাবে, যাবেন )

1. আপনি কোথায় ______________?
2. আমি বাজারে ______________ ।
3. আপনি সিনেমা ______________ ।
4. তুমি কোথায় ______________ ?
5. সে কি বস্প ______________ ?

**V. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।**

1. আমি চিঠি ________________। (লিখবো, লিখবেন)
2. আপনি কাজ়া ________________। (করবেন, করবে)
3. তুমি কাপড়া ________________। (কেচো, কাচি)
4. সে কোথায় ______________? (যাবে, যাবেন)
5. রমেশ রবিবার বাড়ী ________________। (যাবেন, যাবে)

**पढ़िए और समझिए।**

**পর্যন কেন্দ্রে পরিচ্ছন্নতার প্রয়োজনীয়তা      पर्यटन केंद्रों में स्वच्छता की जरूरत**

সেবারে আমরা যাচ্ছিলাম পন্থনগর থেকে নৈনিতাল। আমরা ছিলাম পন্থনগর গোবিন্দ বল্লভ পন্থ কৃষি বিশ্ববিদ্যালয়ের অতিথি নিবাসে। বাসে করে নৈনিতাল গেলাম। নৈনিতালের হ্রদ দেখার মতো। কিন্তু একা জিনিস দেখে খুব খারাপ লাগলো। যো হলো লেকের চারিদিকে আবর্জনায় ভর্তি। আপনি হয়ত বেড়াতে গেছেন কিন্তু বেড়ানোর আনন্দম্প নষ্ট, যদি দেখেন বেড়ানোর জায়গার চারিদিক অপরিষ্কার। শুধু নৈনিতাল নয়, আজকাল সব দর্শনীয় জায়গার এম্প একম্প হাল। আমরা কেউম্প পরিচ্ছন্নতা সম্পর্কে সচেতন নম্প। তুলনায় গোবিন্দ বল্লভ কৃষি বিশ্ববিদ্যালয়ের ক্যাম্পাস খুবম্প পরিচ্ছন্ন। চারিদিকে গাছপালা ভর্তি। রাস্তা খুবম্প পরিষ্কার। তাম্প নৈনিতালের অপরিচ্ছন্নতা অত বেশী করে নজরে পড়েছিল।

## शब्दार्थ

**शब्द      अर्थ**

| | |
|---|---|
| সেবারে | पिछले बार, उसबार |
| নিবাসে | निवास में |
| হ্রদ | ह्रद, झील |
| চারিদিকে | चारों ओर |
| আবর্জনায় | कूड़ा करकट से, कचरे से |
| দর্শনীয় | दर्शनीय |
| হাল | हाल |
| পরিচ্ছন্নতা | साफ सुथरा, स्वच्छ |
| সচেতন | सजग ; सतर्क, सचेत |
| নজরে | नज़र में |

## अभ्यास

**I.** नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. পন্থনগরের বিশ্ববিদ্যালয়ের নাম কি?
2. নৈনিতালে দেখার মত জিনিস কি?
3. আমাদের দেশের লোক কোন ব্যাপারে বিশেষ সচেতন নয়?
4. পন্থনগরের বিশ্ববিদ্যালয়ের ক্যাম্পাস কেমন?
5. বেড়ানোর আনন্দ কিসের জন্য নষ্ট হয়েছিল?

**II.** नीचे दिए गए वाक्यों में से विपरीतार्थी शब्द चुनकर उनकी जोड़ियाँ बनाइए।

**1.** এক ঝুড়ি ভর্তি আপেল।

**2.** মহীশূর শহর খুব পরিষ্কার।

**3.** রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর জাপানে ভ্রমণ করতে গিয়েছিলেন।

4. স্পন্দ্রবাবু কর্তব্য সম্পর্কে খুব সচেতন।

5. নিরানন্দ ভাবে না থেকে খুশী মনে থাকো।

6. অসচেতনভাবে কোনো কাজস্প করতে নেস্প।

7. কাজ না থাকলে জীবন সম্পূর্ণ খালি হয়ে যায়।

8. বিলাসবাবু খুব ঘরকুনো প্রকৃতির মানুষ।

9. দেববাবুর মর্নি বড়স্প অপরিষ্কার।

10. হাতি তার হারানো বাচ্চা পেয়ে খুব আনন্দ পেয়েছে।

## III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

ভাষা কেবল ভাবস্প প্রকাশ করে না। ভাষা একি সংযোজক মাধ্যম। আমাদের দেশ ভারতবর্ষ। এস্প ভারতবর্ষের বিভিন্ন রাজ্যে, বিভিন্ন অঞ্চলে নানা ভাষা প্রচলিত আছে। যেমন -- হিন্দি, বাংলা, অসমিয়া, ওড়িয়া, গুজরাটী, মারাঠী, কঙ্কোনী, সিন্ধি, কানাড়া, মালয়ালম, তামিল, তেলেগু স্পত্যাদি। এছাড়া প্রতি ভাষার আবার প্রচুর আঞ্চলিক ভেদ বা উপভাষা দেখা যায়। কোনো ভাষা কোনো ভাষা অপেক্ষা ছো নয়। প্রত্যেক ভাষা তার নিজের গুণ ও বৈশিষ্ট্যে মহান। বর্তমানে আমরা বিশ্বায়নের ঝোঁকে পড়ে নিজেদের মাতৃভাষা ও সংস্কৃতিকে অবহেলা করছি। আমরা বুঝতে চাস্পছি না যে, বিশ্বের সঙ্গে পাল্লা দিতে গেলে আমাদের কুসংস্কার ত্যাগ করে নিজস্ব সংস্কার ও সংস্কৃতি নিয়েস্প এগিয়ে যেতে হবে। তার জন্য আমাদের মাতৃভাষাকে অবহেলা না করে তার যত্ন নিতে হবে। কারণ সংস্কৃতি ও ভাষা একে অপরের পরিপূরক।

## I. बंगला में अनुवाद कीजिए।

हमारे भारत में कई धर्म और धार्मिक मान्यताएँ हैं। सभी धर्मों के संतों ने भारत में धार्मिक सद्भाव बनाने में बहुत सहयोग किया है। इन संतों में कबीर, रविदास, नामदेव एवं ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती आदि प्रमुख हैं।

ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती एक सूफी संत थे। सूफी संत का हिंदू और इस्लाम धर्म में सद्भाव बनाने में बहुत बड़ा योगदान है। ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह राजस्थान के अजमेर शहर में है। अजमेर पहुँचने के लिए जयपुर से और खंडवा से मीटरगेज रेलगाड़ी द्वारा जा सकते हैं। भोपाल, इंदौर और दिल्ली आदि शहरों से बसों द्वारा भी अजमेर पहुँच सकते हैं।

ख्वाजा की दरगाह पर सभी धर्मों को मानने वाले लोग आते हैं। और "दरगाह शरीफ" पर "सिज्दा" (नमन) करते हैं। श्रद्धालूगण उनकी पवित्र दरगाह पर चादर चढ़ाते है व गुलाब के फूल भेंट करते हैं।

यहाँ वर्ष में एक बार बहुत बड़ा "उर्स" (धार्मिक मेला) पड़ता है। लाखों लोग उर्स के समय भारत और पाकिस्तान से दरगाह की "ज्यारत" (दर्शन) धार्मिक यात्रा करने आते हैं।

(धार्मिक मान्यताएँ -- ধর্ম মত -- ধারণা, संत -- সন্ত, दरगाह -- দরগা, सिज़्दा -- নত হয়ে দরগার বেদীতে মাথা ছোঁয়ানো। )

**II.** अपने क्षेत्र के किसी संत के बारे में एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।